Prabhat Khabar (Date: - 27/12/2019)

बिजनेस आइडिया देकर जीतें एक लाख रुपये तक का इनाम

बीआइए के संवाददाता सम्मेलन में इनाम के बारे में जानकारी दी गयी.

संवाददाता ▷ पटना

अगर आपके पास नया बिजनेस आइडिया या बिजनेस प्लान है, तो आप एक लाख रुपये तक का इनाम जीत सकते हैं. प्रतिभागी बिहार इंडस्ट्रीज एसोसिएशन द्वारा संचालित वेंचरपार्क के बिजनेस आइडिया और प्लान प्रतियोगिता में भाग सकते हैं. इस प्रतियोगिता में भाग लेने की अंतिम तारीख 31 जनवरी, 2020 है. इस बात की जानकारी बिहार इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के अध्यक्ष राम लाल खेतान ने गुरुवार को एक संवाददाता सम्मेलन में दी. उन्होंने बताया कि पिछले चार साल से हो रही इस प्रतियोगिता में कोई भी व्यक्ति भाग ले सकता है. प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य बिजनेस आइडिया और प्लान को प्रोत्साहित करना तथा अच्छे आइडिया को चिह्नित कर आगे बढ़ाने में मदद करना है. खेतान ने बताया कि प्रथम पुरस्कार के तौर पर एक लाख रुपये, द्वितीय पुरस्कार के रूप में 50 हजार और तृतीय पुरस्कार के तौर पर 25 हजार रुपये दिये जायेंगे. इसके अलावा तीन प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार के तौर पर 10-10 हजार रुपये दिये जायेंगे. www.biaincubator.com पर जाकर आवेदन कर सकते हैं.

पिछले साल एक कंपनी को दिया गया था 25 लाख का फंड : वेंचर पार्क के वरीय सदस्य संजय गोयनका ने बताया कि इस वक्त 50 से अधिक स्टार्टअप वेंचर पार्क से जुड़े है. इनमें से कई स्टार्टअप अच्छे मुकाम पर हैं. उन्होंने बताया कि पिछले साल सत्तू कंपनी के संस्थापक को लोकल स्तर पर 25 लाख रुपये की फंडिंग की गयी थी. केपीएस केशरी ने बताया कि वेंचर पार्क का सेंटर इंडियन एंजल नेटवर्क के साथ शुरू किया गया था. हर साल वेंचर पार्क में 10 से 15 नये स्टार्टअप जुड़ रहे हैं. स्टार्टअप की बढ़ती संख्या को देखते हुए अलग से एक फ्लोर तैयार हो रहा है. उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष इस प्रतियोगिता के लिए 175 आवेदन आये थे, इस बार 250 से अधिक आवेदन आने की उम्मीद है.

Prabhat Khabar (Date: - 27/12/2019)

प्रकाश पर्व • सिखों के प्रथम गुरु श्रीगुरु नानक देव के 550वें प्रकाश पर्व पर पटना पहुंच रहे सिख श्रद्धालु

'जी आया नूं' कह संगत का स्वागत कर रहे परिवहनकर्मी

- निगम की 16 बसों से लगभग पांच सौ श्रद्धालुओं को राजगीर पहुंचाया गया

संवाददाता ▸ पटना

प्रकाश पर्व को लेकर टेंट सिटी में आने लगी संगत.

सिखों के प्रथम गुरु श्रीगुरु नानक देव के 550वें प्रकाश गुरु पर्व पर पटना पहुंच रहे सिख श्रद्धालुओं के पटना पहुंचने पर परिवहन निगमकर्मी 'जी आयां नूं' कह कर स्वागत कर रहे हैं. आनेवाले श्रद्धालुओं को बड़े अदब से निगम की बसों में बैठा कर पहले उन्हें पटना सिटी में बाल लीला गुरुद्वारा के समीप हाइस्कूल पहुंचाने का काम हो रहा है. इसके बाद वहां से राजगीर पहुंचाया गया. गुरुवार को निगम की 16 बसों से लगभग पांच सौ श्रद्धालुओं को राजगीर पहुंचाया गया. सिखों के प्रथम गुरु श्रीगुरु नानक देव जी महाराज के 550वें प्रकाश गुरु पर्व राजगीर के गुरुद्वारा गुरुनानक शीतल कुंड में 27 से 29 दिसंबर तक मनाया जा रहा है. इसके लिए देश-विदेश से सिख श्रद्धालु पहुंच रहे हैं. श्रद्धालुओं को पटना से राजगीर पहुंचाने के लिए परिवहन निगम की ओर से बसों की व्यापक व्यवस्था की गयी है.

कंगन घाट पर आरंभ हुई लंगर की सेवा: कंगन घाट टेंट सिटी में कार सेवा किला आनंदगढ़ आनंदपुर साहिब के संत बाबा सुच्चा सिंह सतनाम सिंह की अगुआई में अनुयायियों ने कंगन घाट टेंट सिटी में लंगर की सेवा आरंभ कर दी. सेवा आरंभ होने से पहले अरदास की गयी.

रेलवे स्टेशनों व हवाई अड्डे पर परिवहनकर्मी तैनात

प्रकाश गुरु पर्व पर आनेवाले सिख श्रद्धालुओं को कोई परेशानी नहीं हो इसके लिए हवाई अड्डा, पटना जंक्शन, राजेंद्र नगर टर्मिनल स्टेशन, पाटलिपुत्र जंक्शन पर बसों के बारे जानकारी देने के लिए परिवहनकर्मियों की तैनाती की गयी है. साथ ही बैनर-पोस्टर भी लगाया गया है, ताकि जानकारी मिल सके. निगम की ओर से मैनेजर व सुपरवाइजर बसों के संचालन की मॉनीटरिंग कर रहे हैं. बाहर से आनेवाले सिख श्रद्धालुओं को 16 बसों से राजगीर पहुंचाया गया. सभी श्रद्धालुओं को राजगीर पहुंचाने के लिए पटना सिटी के बाल लीला गुरुद्वारा के समीप से बसें खुलती हैं. परिवहन निगम के प्रशासक अमरेंद्र प्रसाद सिंह ने बताया कि श्रद्धालुओं के लिए बसों की पूरी व्यवस्था है.

देश-विदेश से टेंट सिटी में पहुंची और 400 संगत

पटना सिटी. श्री गुरु नानक देव जी महाराज के 550वें प्रकाश पर्व व श्री गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज के 353वें प्रकाश पर्व को लेकर कंगन घाट पर बने टेंट सिटी में ठहरने के लिए लगभग 400 संगत गुरुवार को टेंट सिटी में पहुंची. टेंट सिटी की व्यवस्था देख रहे प्रबंधक कमेटी के महासचिव महेंद्रपाल सिंह ढिल्लन के प्रतिनिधि अतुल ने बताया कि पंजाब, दिल्ली व दूसरे प्रांतों से लगभग 400 संगत आयी है. इसमें कार सेवा के लिए सेवादारों का दल शामिल है. निर्माण कंपनी हितकारी के एमडी जाहिद सिद्दीकी ने बताया कि कम समय में पांच हजार से अधिक संगत के ठहरने के लिए इंतजाम किया गया है. वैशाली के अधिकारियों के निर्देश पर और भी कार्य टेंट सिटी में बेहतर बनाने के लिए कराया जा रहा था.

राजगीर के लिए आरंभ हुई बस सेवा

पटना सिटी. राजगीर स्थित शीतल कुंड गुरुद्वारा में आयोजित हो रहे श्री गुरु नानक देव जी महाराज के 550वें प्रकाश पर्व को लेकर पटना साहिब से राजगीर के बीच बस की सेवा आरंभ की गयी. टेंट सिटी में ठहरी संगत को उद्घोषणा के माध्यम से यह जानकारी दी जा रही थी कि मंगल तालाब परिसर से राजगीर के लिए बस की सेवा उपलब्ध है. एसडीओ राजेश रौशन ने बताया कि 25 बसें प्रकाश पर्व को लेकर चलायी जायेंगी. इसके लिए तैयारी हो गयी. कुछ बसों का परिचालन आज कराया गया है. प्रशासन ने इसकी तैयारी पूरी कर ली है.

Hindustan (Date: - 27/12/2019)

सहरसा में मोर का संरक्षण व पुनर्वास करेगा विभाग

हिन्दुस्तान
एक्सक्लूसिव

सहरसा | रंजीत

जिले के आरण गांव में मोर का संरक्षण वन विभाग भी करेगा। अभी तक ग्रामीणों के संरक्षण में इस गांव से विलुप्त होती जा रही यह पक्षी पल रहा है। वन विभाग ने आरण गांव में मौजूद मोर के संरक्षण और पुनर्वास पर 90 लाख रुपए खर्च होने का प्रस्ताव तैयार कर स्वीकृति आदेश के लिए मुख्य वन्य प्रतिपालक पटना को भेजा है। वन प्रमंडल पदाधिकारी शशिभूषण झा ने बताया कि नए सिरे से कराए गए सर्वेक्षण में आरण गांव में 60 से 75 की संख्या में मोर पाये गये हैं। प्रस्ताव को स्वीकृति मिलेगी तो वहां बहुतायत संख्या में सेमल के पौधे लगाए जाएंगे क्योंकि मोर बड़े आकार के सेमल के पेड़ पर रहना पसंद करता है। मोर के इलाज के लिए 10 हजार रुपए में दो फर्स्ट एड किट खरीदा जाएगा। मोर की गतिविधियों को कैद करने को ढाई लाख का कैमरा खरीदा जाएगा। मोर की रक्षा के लिए जागरूकता कार्यक्रम के तहत बोर्ड, बैनर सहित अन्य माध्यमों से प्रचार-प्रसार होगा।

जनवरी से मार्च तक एक कर्मी की ड्यूटी : मोर आरण गांव में कहां-कहां शरण ले रहे हैं, इसके लिए एक कर्मी की तीन माह तक ड्यूटी होगी। एक कर्मी मोर की गतिविधि पर नजर रखेंगे।

भेजा प्रस्ताव

- मोर के संरक्षण पर 9 लाख रुपए खर्च आने का प्रस्ताव तैयार कर पटना भेजा गया
- बहुतायत तादाद में मोर का पसंदीदा पेड़ सेमल लगाने की भी है योजना

60 से 75 मोर देखे गए नए सर्वेक्षण में आरण गांव में

आरण गांव में ग्रामीण के भुसखार के पास विचरता मोर।
● : हिन्दुस्तान

पौधशाला बनाने में जुटा वन विभाग

मोर के विचरण में कोई परेशानी नहीं हो इस उद्देश्य से ग्रामीण को प्रोत्साहित कर वन विभाग पौधशाला बनाने में जुटा है। ग्रामीण रविकांत 20 हजार पौधे लगा रहे हैं। जिसे वन विभाग 11.5 रुपए की दर से खरीदेगा।

दिसंबर 2016 में सीएम भी आए थे मोर देखने

18 दिसंबर 2016 को निश्चय यात्रा पर पहुंचे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी मोर देखने आरण गांव पहुंचे थे। बताया जाता है कि वर्ष 1984-85 में स्थानीय अभिनंदन यादव ने पंजाब से एक जोड़ा मोर लाया था। धीरे-धीरे मोर की संख्या में यहां वृद्धि हुई और यह गांव मोर की शरणस्थली बन गया है।